IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

" जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर का तुलनात्मक अध्ययन | "

विजय कुमार प्रवक्ता, **महेंद्र कुमार सिंह** - प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पीलीभीत (उ. प्र.) - 262201

शोध सारांश

यह शोध "जनपद पीलीभीत में परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि स्तर का तुलनात्मक अध्ययन" पर केंद्रित है। इस अध्ययन का उद्देश्य परिषदीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना था।

शोध परिणामों के अनुसार, परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों (मध्यमान: 17.95) की शैक्षिक उपलब्धि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों (मध्यमान: 14.75) की तुलना में अधिक पाई गई, तथा "टी" अनुपात (5.7) यह संकेत करता है कि दोनों समूहों के बीच सार्थक अंतर है। इसी प्रकार, परिषदीय विद्यालयों के छात्रों (17.75) एवं छात्राओं (18.75) ने निजी विद्यालयों के छात्रों (14.83) एवं छात्राओं (14.75) की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।

परिषदीय विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं की तुलना में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया ("टी" अनुपात: 0.308), इसी प्रकार निजी विद्यालयों में भी छात्रों एवं छात्राओं के प्रदर्शन में कोई विशेष अंतर नहीं था।

अतः निष्कर्ष रूप में परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निजी विद्यालयों की तुलना में अधिक पाई गई, जबकि लिंग आधारित तुलना में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर, निजी विद्यालयों में शिक्षण पद्धति को सुदृढ़ करने की अनुशंसा की जाती है, ताकि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि को बेहतर बनाया जा सके।

कूट शब्द :- शैक्षिक उपलब्धि , परिषदीय विद्यालय , निजी विद्यालय , सामाजिक विज्ञान, उच्च प्राथमिक विद्यालय , शोध परिकल्पना ,मध्यमान , मानक विचलन ,"टी" परीक्षण ,सार्थक अंतर ,शिक्षण पद्धति ,लैंगिक तुलना शोध उद्देश्य , शोध विधि , शोध निष्कर्ष , ,

प्रस्तावना:-

शिक्षा समाज के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, और यह समाज के विभिन्न पहलुओं पर प्रभाव डालती है। शिक्षा का उद्देश्य न केवल ज्ञान का प्रसार करना है, बल्कि छात्रों में सामाजिक, मानसिक, और शारीरिक विकास करना भी है। इसके लिए विभिन्न विषयों की शिक्षा दी जाती है, जिनमें से एक महत्वपूर्ण विषय सामाजिक विज्ञान है। सामाजिक विज्ञान (Social Science) समाज, उसकी संरचना, संस्कृति, इतिहास, और भूगोल से संबंधित अध्ययन है। यह विषय छात्रों को समाज के बारे में समझ प्रदान करता है और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करता है। मनुष्य के सामाजिक क्रियाकलापों का अध्ययन ही सामाजिक अध्ययन है। एक अकादमिक विषय के रूप में समस्त विश्व सहित हमारे देश में भी प्राथमिक स्कूल से लेकर कॉलेज, विश्वविद्यालय स्तर तक इसका अध्ययन/अध्यापन कराए जाते हैं। इसके अध्ययन की शुरुआत तो हालांकि महान दार्शनिक प्लेटो के काल से ही शुरू हो गई थी लेकिन मध्यकाल में अल-बेरुनी, तत्पश्चात 18वीं सदी में यूरोपीय देशों में ज्ञानोदय काल में रूसो, इमाइलदुर्खीम, आगस्टकाम्टे, चार्ल्स डार्विन, कार्लमार्क्स, मैक्स वेबर आदि दार्शनिकों एवंसमाजशास्त्रियों द्वारा इसके व्यवस्थित अध्ययन की शुरुआत हुई। उस समय इसे 'मोरलफिलॉस्फी' के नाम से जाना जाता था। बाद में इसे सामाजिक विज्ञान के नाम से संबोधित किया जाने लगा। औद्योगिक क्रांति से उत्पन्न सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के अध्ययन ने इसे विज्ञान के समान ही लोकप्रिय बनाने का कार्य किया। जिसकी झलक हमें 1824 ई. में विलियम थामसन की पुस्तक “An Inquiry into the principles of the distribution of the wealth” में देखने को मिलती है। इसी पुस्तक में सर्वप्रथम सामाजिक विज्ञान शब्द प्रयुक्त किया गया। इसी क्रम में 1924 ई. में तत्कालीन समाजशास्त्रियों द्वारा इस विषय पर विस्तृत अध्ययन हेतु एक सोसलसाइन्स सोसाइटी की स्थापना की गई। तब से ही समस्त वैश्विक जगत सहित हमारे देश में इसका अध्ययन अनवरत रूप से चल रहा है।

सामाजिक अध्ययन हमें यह सिखाता है कि भाषा, धर्म, संप्रदाय, जाति, जनजातीय व भौगोलिक विविधता वाले, जटिल समाज वाले हमारे देश में हमें किस प्रकार किसी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बगैर एकता को बढ़ावा देते हुए मिल-जुल कर रहना है। यह हमें समाज, राजनीति, धर्म, संस्कृति से संबंधित क्षेत्र में घटित होने वाली घटनाओं, समस्याओं का विश्लेषण, आलोचना करना सिखाता है ताकि इनपर विचार विमर्श करते हुए हम एक बेहतर भविष्य के निर्माण में योगदान दे सकें।

अध्ययन की आवश्यकता :-

सामाजिक विज्ञान विषय का अध्ययन करना हमारे कौशल और ज्ञान को और अधिक विस्तार से विकसित करने का एक शानदार तरीका है। सामाजिक विज्ञान के छात्र हस्तांतरणीय कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करते हैं, जिससे यह विभिन्न प्रकार के कैरियर के लिए एक मूल्यवान विषय बन जाता है, चाहे आप सामाजिक विज्ञान के किसी भी क्षेत्र का अध्ययन करना चाहें, आप जटिल मुद्दों का विश्लेषण और शोध करने, आलोचनात्मक रूप से सोचने, विभिन्न समाधानों का मूल्यांकन करने, विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने और इस जानकारी को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने की क्षमता विकसित करेंगे इस तथ्य से भी स्पष्ट होती है कि विद्यालयों की शैक्षिक गुणवत्ता का आकलन करके शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। यदि किसी प्रकार की असमानता या अंतर देखने को मिलता है, तो इससे यह समझने में सहायता मिलेगी कि किस प्रकार की शिक्षण पद्धति या नीति में सुधार की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, यह शोध भविष्य में शिक्षा सुधार हेतु किए जाने वाले नीतिगत निर्णयों के लिए भी एक उपयोगी मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा। यह शोध परिषदीय एवं निजी विद्यालयों में सामाजिक विज्ञान विषय की शिक्षा की गुणवत्ता का तुलनात्मक विश्लेषण करने हेतु एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके निष्कर्षों से शिक्षा प्रणाली में सुधार हेतु आवश्यक सुझाव प्राप्त होंगे, जो भविष्य में नीतिगत निर्णयों और शिक्षण विधियों के विकास में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। शोध कार्य के निष्कर्षों के माध्यम से यह भी समझा जा सकेगा कि क्या विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाएँ एवं संसाधन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को सीधे प्रभावित करते हैं या अन्य कारक भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह अध्ययन उन अध्यापकों, शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं के लिए भी उपयोगी होगा, जो शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कार्यरत हैं। यह शोध विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यालय के प्रकार के प्रभाव को समझने का एक प्रयास है, जिससे प्राप्त निष्कर्षों का उपयोग शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक प्रभावी बनाने में किया जा सकेगा। हम यह भी समझेंगे कि पहले से सीखी गई जानकारी को नई स्थितियों में कैसे लागू किया जाए और नई अवधारणाओं के साथ जल्दी से कैसे जुड़ा जाए। इसी अवधारणा को लेकर शोधकर्ता को शोध अध्ययन पर काम करने की आवश्यकता पड़ी।

अध्ययन का शीर्षक:-

" जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर का तुलनात्मक अध्ययन | "

शोध अध्ययन में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण:-

शैक्षिक उपलब्धि – किसी विद्यार्थी द्वारा अध्ययन किए गए विषय में प्राप्त ज्ञान, कौशल और परीक्षा में प्राप्त अंकों को शैक्षिक उपलब्धि कहा जाता है।

परिषदीय विद्यालय – वे सरकारी विद्यालय जो राज्य या केंद्र सरकार द्वारा संचालित होते हैं और जिनमें विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं।

निजी विद्यालय – वे विद्यालय जो किसी निजी संस्था या संगठन द्वारा संचालित होते हैं और जहाँ विद्यार्थियों को शुल्क देकर शिक्षा प्राप्त करनी होती है।

अध्ययनरत विद्यार्थी - परिषदीय व निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थी।

सामाजिक विज्ञान– एक अध्ययन क्षेत्र जो समाज, संस्कृति, इतिहास, भूगोल, राजनीति एवं अर्थव्यवस्था से संबंधित ज्ञान प्रदान करता है।

माध्यमान (Mean) – यह किसी दिए गए आँकड़ों का औसत होता है, जो विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का सामान्य स्तर दर्शाता है।

मानक विचलन (Standard Deviation) – यह विद्यार्थियों के अंकों में भिन्नता या विविधता को दर्शाने वाला एक गणितीय मापदंड है।

"टी" अनुपात (T-Ratio) – यह एक सांख्यिकीय विधि है, जिसका उपयोग यह देखने के लिए किया जाता है कि दो समूहों के बीच अंतर सार्थक है या नहीं।

तुलनात्मक अध्ययन – किसी दो या अधिक समूहों के बीच समानताओं और विभिन्नताओं का अध्ययन तुलनात्मक अध्ययन कहलाता है।

शोध के उद्देश्य

शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला होती है। भारत में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए समय-समय पर विभिन्न नीतियाँ और कार्यक्रम लागू किए गए हैं। परिषदीय विद्यालय एवं निजी विद्यालय दोनों ही शिक्षा के प्रमुख स्तंभ हैं, लेकिन इन दोनों के शैक्षिक स्तर एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि में क्या अंतर है, यह अध्ययन का महत्वपूर्ण विषय है। इस शोध के अंतर्गत जनपद पीलीभीत के उच्च प्राथमिक परिषदीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि स्तर की तुलना की जाएगी।

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य जनपद पीलीभीत में स्थित उच्च प्राथमिक परिषदीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा:

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में सामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना |

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्रों में सामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्राओं में सामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं मेंसामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना |
- जनपद पीलीभीत के निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं में सामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना |

शोध की परिकल्पनाएं

इस शोध कार्य के लिए शोधकर्ता ने निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया है |

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में सामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्रों में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थकअंतर नहीं है |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है |
- जनपद पीलीभीत के निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं है |

शोध की सीमाएँ

- हर शोध की अपनी कुछ सीमाएँ होती हैं, जो इस अध्ययन में भी परिलक्षित होती हैं:
- यह अध्ययन केवल जनपद पीलीभीत के उच्च प्राथमिक विद्यालयों तक ही सीमित रहेगा।
- शोध में केवल शैक्षिक उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाएगा, अन्य सहपाठ्यक्रमीय गतिविधियों को - सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

- अध्ययन में विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर बाह्य कारकों जैसे)पारिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति आदिके प्रभाव (का विश्लेषण किया जाएगा, लेकिन इन कारकों का विस्तृत अध्ययन नहीं किया जाएगा।
- डेटा संग्रहण हेतु केवल प्रश्नावली एवं साक्षात्कार विधियों का उपयोग किया जाएगा, जिससे कुछ सूचनाएँ सीमित हो सकती हैं।
- निजी एवं परिषदीय विद्यालयों की तुलना में संभावित पूर्वाग्रहों को न्यूनतम करने का प्रयास किया जाएगा, लेकिन इसे पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं होगा।

अनुसंधान प्रविधि:

शोधकर्ता ने अपनी लघु शोध समस्या "जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर का तुलनात्मक अध्ययन" के लिए सर्वेक्षण अनुसंधान(सर्वेक्षण विधि) का चयन किया है ,जो विवरणत्मक अनुसंधान का एक प्रकार है। सर्वेक्षण शब्द का अर्थ होता है ऊपर से देखना , अवलोकन करना या अन्वेषण करना।

अध्ययन हेतु जनसंख्या एवं न्यादर्श:

प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा प्रतिदर्श का आकार उत्तर प्रदेश राज्य के जनपद पीलीभीत में स्थित 8 शैक्षिक विकास खंड से कुल 48 विद्यालय जिम 24 परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय व 24 निजी उच्च प्राथमिक विद्यालय का चयन करते हुए प्रत्येक शैक्षिक विकास खंड से 6 विद्यालय जिनमें 3 उच्च प्राथमिक परिषदीय विद्यालय व 3 निजी उच्च प्राथमिक विद्यालय तथा प्रत्येक परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय से 5 छात्र व 5 छात्रों का समावेश करते हुए कुल 480 छात्र-छात्राओं की का सम्मिलित संकलन किया गया है ।

शोध उपकरण:-

शोधकर्ता के द्वारा सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत प्रश्नों का संग्रह विश्लेषण और आंकड़ों का उपयोग करके किसी विशेष समस्या या समस्या के निष्कर्ष की प्राप्ति की जाती है। इस विधि के अंतर्गत स्वनिर्मित प्रश्नावली (Questionnaire) का प्रयोग किया गया है, जिसमें बंद प्रश्नों का संकलन कर 30 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की श्रृंखला (कक्षा 6 में सामाजिक विषय से संबंधित अध्याय वार प्रश्न) का प्रयोग किया गया है , निष्कर्ष प्राप्ति हेतु इन प्रश्नों की श्रृंखला को जनपद पीलीभीत के कक्षा 6 में अध्ययनरतपरिषदीय उच्च प्राथमिक वन निजी उच्च प्राथमिक के छात्र-छात्राओं पर प्रयोग किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ:प्रस्तुत शोध में डेटा विश्लेषण करने हेतु निम्न सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है अर्थात डेटा का विश्लेषण सांख्यिकी और वर्णन आत्मक दोनों दृष्टिकोण से किया गया है वर्णनात्मक सांख्यिकी के अंतर्गत औसत माध्य और बहुलक, मानकविचलन का उपयोग किया गया है प्रतिशत और अनुपात का निर्धारण किया गया साथ ही डाटा वितरण को समझने के लिए बार ग्राफ व पाई चार्ट बनाए गए हैं विशलेषणविशिष्ट आत्मा सांख्यिकी के अंतर्गत टी टेस्ट परिषदीय और निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन की तुलना के लिए उपयोग किया गया इसके उपरांत डाटा प्रस्तुति के लिए सांख्यिकी परिणाम को सारणी और ग्राफ के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है शोधअध्यन में गुणात्मक परिणाम को विवरणात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

आंकड़ो का विश्लेषण एवं व्याख्या

इस शोध का उद्देश्य जनपद पीलीभीत के परिषदीय तथा निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षिक उपलब्धि का पता लगाना था। शोधकर्ता ने पूर्व में निर्धारित किए गए उद्देश्यों पर घटनाओं के अनुसार प्रशिक्षण में प्राप्त आंकड़ों का क्रमवार विश्लेषण किया जो इस प्रकार है:-

उद्देश्य 1

जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर के प्राप्तांकों का सांख्यिकी विश्लेषण- सारणी संख्या -1

क्रस.	परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D.	मुक्तांश D.F.	टी अनुपात t-ratio	सार्थकता स्तर p-value
1	परिषदीय उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि	240	17.95	6.45	478	5.7	**0.556 अस्वीकृत**
2	निजी. उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि	240	14.75	5.80			

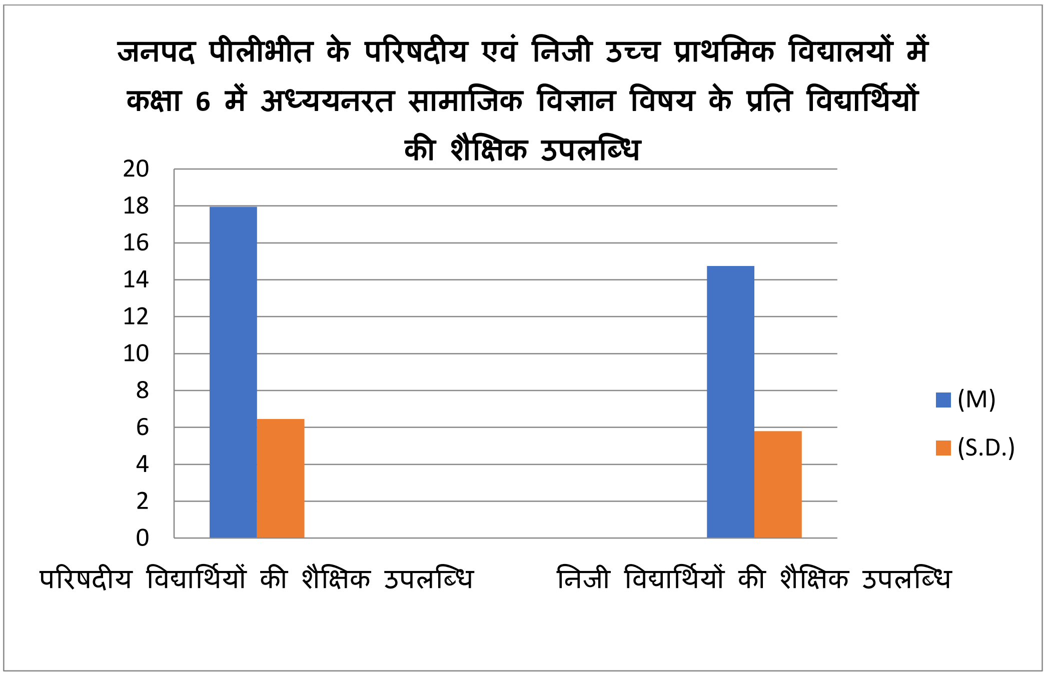

व्याख्या

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपयुक्त सारणी संख्या 1 से स्पष्ट है कि जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण प्राप्तांको के मध्यमानक्रमश17.95 तथा 14.75 है इनका मानक विचलन क्रमशः 6.45 तथा 5.80 है तथा इनका " टी "अनुपात मान 5.7 है जो स्वतंत्रता के अंश 478 के लिए टी के .05 सार्थकता स्तर पर मान 1.96 तथा .01 सार्थकता स्तर पर मान 2.59 से अधिक है ,इस तरह " टी " गणना का मान सार्थक अंतर प्रदर्शित करता है।

अतः उक्त परिकल्पना क्रमांक 01जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थियों में सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकार किया जाता है यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थी निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 6 में अध्ययनरतसामाजिक विज्ञान विषय के विद्यार्थियों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं ,इसलिए परिषदीय विद्यालयों केविद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है ।

उद्देश्य 2

जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्यननरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर के प्राप्तांकों का सांख्यिकी विश्लेष्ण-

सारणी संख्या - 2

क्रस.	परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D.	मुक्तांश D.F.	टी अनुपात t-ratio	सार्थकता स्तर p-value
1	परिषदीय उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि	120	17.75	6.18	238	3.77	**0.780 अस्वीकृत**
2	निजी. प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि	120	14.83	5.80			

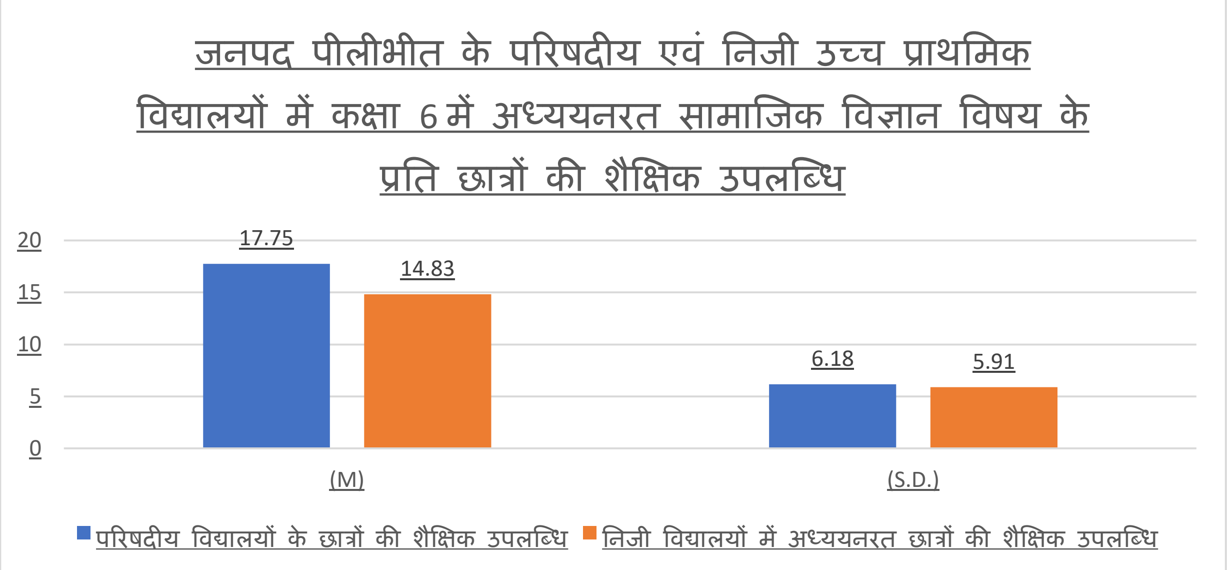

व्याख्या

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपयुक्त सारणी संख्या 2 से स्पष्ट है कि जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्रों की शैक्षिकउपलब्धि परीक्षण प्राप्तांको के मध्यमानक्रमश17.75 तथा 14.83 है इनका मानक विचलन क्रमशः 6.18 तथा 5.91 है तथाइनका " टी "अनुपात मान 3.77

है जो स्वतंत्रता के अंश 238 के लिए टी के .05 सार्थकता स्तर पर मान 1.97 तथा .01 सार्थकता स्तर पर मान 2.59 से अधिक है ,इस तरह " टी " गणना का मान सार्थक अंतर प्रदर्शित करता है।

अतः उक्त परिकल्पना क्रमांक 02 जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्रों में सार्थक अंतर नहीं है को अस्वीकार किया जाता है यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्र निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 6 में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्रों की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए परिषदीय विद्यालयों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है।

उद्देश्य 3 जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान विषय छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि स्तर के प्राप्तांकों का सांख्यिकी विश्लेषण-

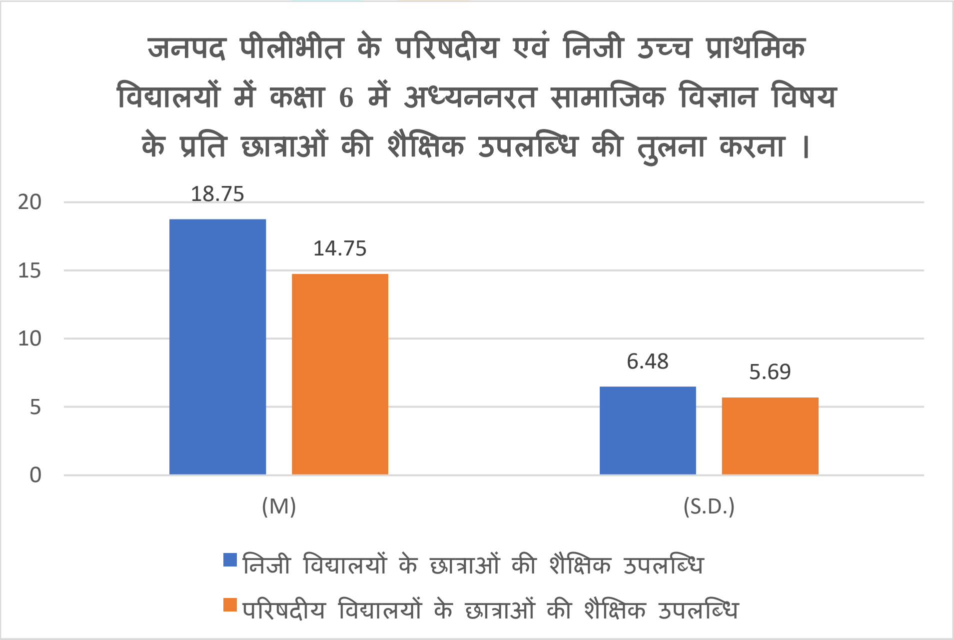

क्रस.	परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D.	मुक्तांश D.F.	टी अनुपात t-ratio	सार्थकता स्तर p-value
1	परिषदीय उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि	120	18.75	6.48			**0.774**

2	निजी उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि	120	14.75	5.69	238	3.55	**अस्वीकृत**

सारणी संख्या 3

व्याख्या

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपयुक्त सारणी संख्या 3 से स्पष्ट है कि जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण प्राप्तांको के मध्यमानक्रमश18.75 तथा 14.75 है इनका मानक विचलन क्रमशः 6.48 तथा 5.69 है तथा इनका " टी "अनुपात मान 3.55 है जो स्वतंत्रता के अंश 238 के लिए टी के .05सार्थकता स्तर पर मान 1.96 तथा .01 सार्थकता स्तर पर मान 2.59 से अधिक है ,इस तरह " टी " गणना का मान सार्थक अंतर प्रदर्शित करता है।अतः उक्त परिकल्पना क्रमांक 03 जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है, को अस्वीकार किया जाता है यह परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्यनरत सामाजिक विज्ञान विषय की छात्राएं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय की छात्राओं की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं, इसलिए परिषदीय विद्यालयों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है।

उद्देश्य 4 जनपद पीलीभीत के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि स्तर के प्राप्तांकों का सांख्यिकी विश्लेषण -

सारणी संख्या 4

क्रस.	परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D.	मुक्तांश D.F.	टी अनुपात t-ratio	सार्थकता स्तर p-value
1	परिषदीय उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि	120	17.75	6.18	238	0.308	0.811 स्वीकृत
2	परिषदीय उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्राओं शैक्षिक उपलब्धि	240	14.75	5.80			

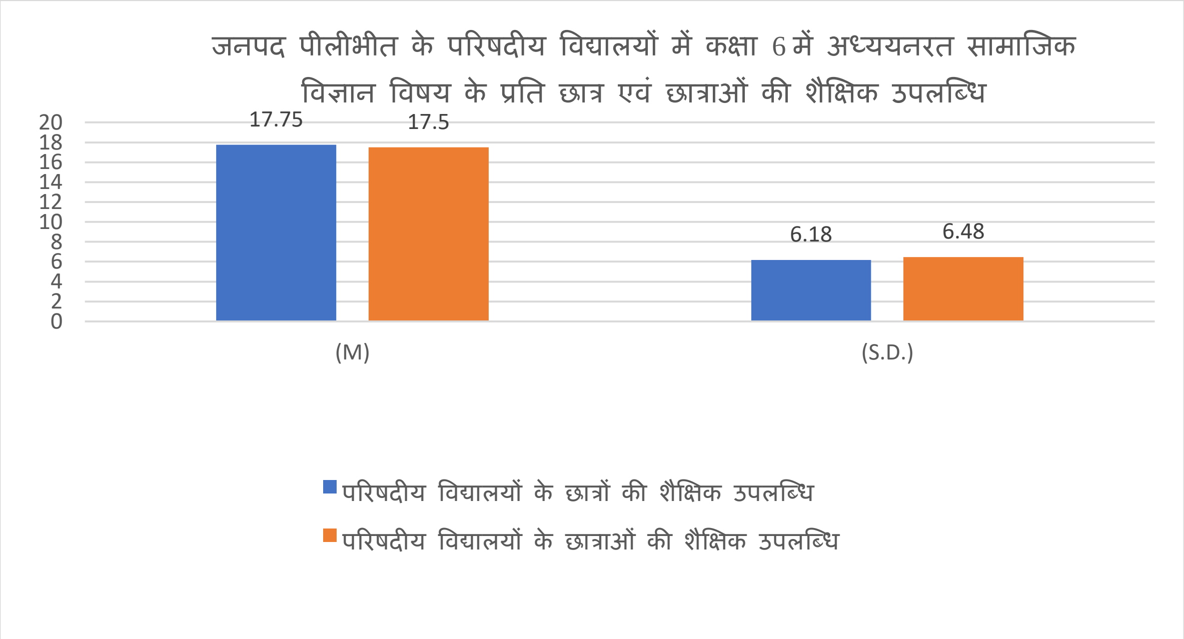

व्याख्या

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपयुक्त सारणी संख्या 4 से स्पष्ट है कि जनपद पीलीभीत के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिकउपलब्धि परीक्षण पर प्राप्तांको के मध्यमानक्रमश 17.75 तथा 17.50 है इनका मानक विचलन क्रमशः 6.18 तथा 6.48 है तथा इनका " टी "अनुपात मान 0.308 है जो स्वतंत्रता के अंश 238 के लिए टीके.05सार्थकता स्तर पर मान 1.96 तथा .01 सार्थकता स्तर पर मान 2.59 से कम है ,इस तरह " टी " गणना का मान सार्थक अंतर प्रदर्शित नहीं करता है।अतः उक्त परिकल्पना क्रमांक 4 जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है, को स्वीकार किया जाता है यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

उद्देश्य 5 जनपद पीलीभीत के निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि स्तर के प्राप्तांकों का सांख्यिकी विश्लेषण- सारणी संख्या -5

क्रस.	परीक्षण का नाम	विद्यार्थियों की संख्या N	मध्यमान M	मानक विचलन S.D.	मुक्तांश D.F.	टी अनुपात t-ratio	सार्थकता स्तर p-value
1	निजी उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि	120	14.83	5.91	238	0.108	**0.74 स्वीकृत**
2	निजी उच्च प्राथमिकविद्यालयोंमें कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्राओं शैक्षिक उपलब्धि	240	14.75	5.80			

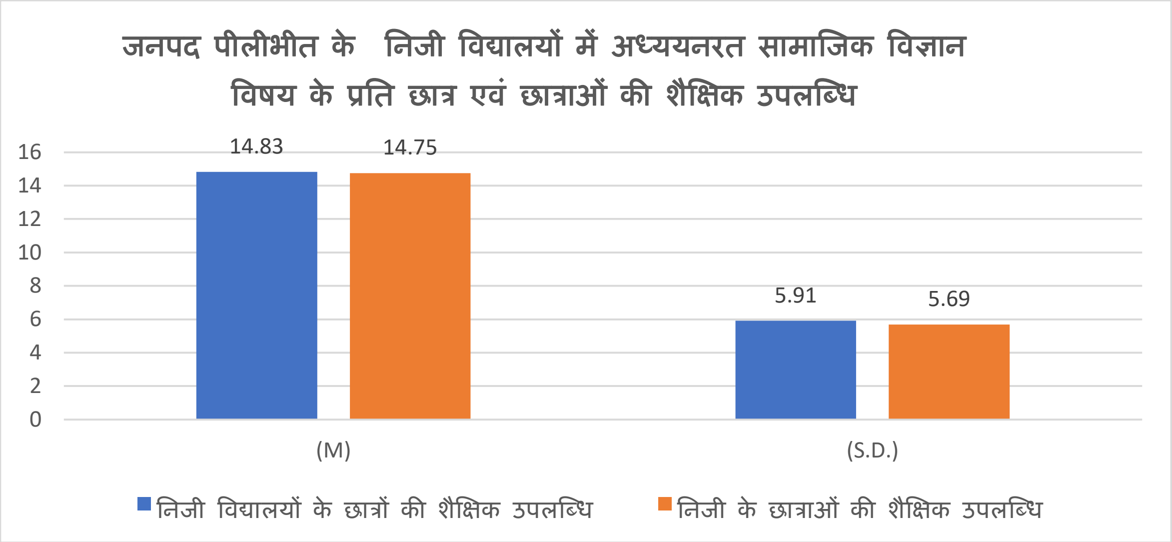

व्याख्या

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपयुक्त सारणी 5 से स्पष्ट है कि जनपद पीलीभीत के निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण पर प्राप्तांको के मध्यमानक्रमश 14.83 तथा 14.75 है इनका मानक विचलन क्रमशः 5.91 तथा 5.69 है तथा इनका " टी "अनुपात मान 0.308 है जो स्वतंत्रता के अंश 238 के लिए टी के .05 सार्थकता स्तर पर मान 1.96 तथा .01 सार्थकता स्तर पर मान 2.59 से कम है ,इस तरह " टी " गणना का मान सार्थक अंतर प्रदर्शित नहीं करता है|

अतः उक्त परिकल्पना क्रमांक 5 जनपद पीलीभीत के निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत सामाजिक विज्ञान विषय के छात्र एवं छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं है, को स्वीकार किया जाता है | यह परिकल्पना स्वीकृत की जाती है |

निष्कर्ष:-

- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों में सामाजिक विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में सार्थक अंतर पाया गया है |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्रों में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में सार्थक अंतर पाया गया है |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय एवं निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में सार्थक अंतर पाया गया है |
- जनपद पीलीभीत के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है |

- जनपद पीलीभीत के निजी उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 6 में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं में सामाजिक विज्ञान विषय के प्रति शैक्षिक उपलब्धि स्तर के संबंध में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है |

भविष्यगतसुझाव

शैक्षिक उपलब्धि में सुधार हेतु भविष्य में निम्नानुसार सुझावों का विवरण :-

- अध्यापकों को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाया जा सकता है।
- अध्यापकों द्वारा कक्षा-कक्ष में प्रभावशाली शिक्षण उपयुक्त शिक्षण विधि तथा शिक्षण तकनीकी का प्रयोग करके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाया जा सकता है।
- प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन बड़े न्यादर्श पर किया जा सकता है।
- उच्च प्राथमिक विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारको का अध्ययन किया जा सकता है।
- परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धित अध्ययन उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में किया जा सकता है।
- समय-समय पर विद्यालयों में अध्यापकों तथा अभिभावकों के बीच बच्चों की समझ विकसित करने हेतु विभिन्न प्रकार के सेमिनार आयोजित कर, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाया जा सकता है।
- विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की खेल-कूद प्रतियोगिताओं के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभागी बनाकर तथा परिणाम स्वरूप पुरस्कार प्रदान करके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाया जा सकता है।
- कुल मिलाकर ऊपर दिए गए शोध-सुझावों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को अपनाकर जनपद पीलीभीत में ही नहीं अपितु अन्य जिलों के कक्षा 6 ही नहीं अपितुअन्य कक्षाओं के छात्रों की सामाजिक विज्ञान में शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सुधार लाया जा सकता है।

आभार :-

प्रस्तुत शोध अध्ययन को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश की वित्तीय सहायता के माध्यम से श्री दरवेश कुमार, वरिष्ठ प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर-पीलीभीत के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया गया है

| संदर्भ ग्रंथ

- कपिल, एच.के., अनुसंधान विधियाँ, भार्गव भवन, आगरा, 2004
- गैरिट, हेनरी ई०, शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी, कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1989
- गुप्ता, डॉ० एस०पी० एवं गुप्ता, अलका, उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद,

- द्वितीय संस्करण, 2004दुबे, अनिल कुमार एवं प्रीति रेखा एवं अन्य, 2008, भारतीय शिक्षा शोध
- पत्रिका, वर्ष-2, जुलाई दिसम्बर-2008, 69-75पाण्डेय, रामसकल, शैक्षिक नियोजन और वित्त
- प्रबन्धन, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरापाधी, जे०एस०, इण्डियनएजूकेशनलएबस्ट्रेक्टवाल्यूम-1,
- गोंड, ललित कुमार)2017), शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के क्रियान्वयन सम्बन्धी व्यावहारिक समस्याएँ पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में। अप्रकाशित शोध प्रबन्ध :, वाराणसी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय :, वाराणसी।
- जुलाई 1996, पृष्ठ सं0-25बुच, एम०बी०ः सेकेण्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजूकेशन, वाल्यूम-1
- क्रमांक-845, 863 पृष्ठ सं0-743 पृष्ठ सं0-743-75बुच, एम०बी०ः थर्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन
- राय, पारसनाथ, अनुसंधानपरिचय-, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा, 2007
- त्रिपाठी विवेक नाथ मिश्र दुर्गेश कुमार 2016 उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनन सिंह के सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन शिक्षक शिक्षा शोध पत्रिकाvol.10(03)2016जे. आर. एच. यूनिवर्सिटी चित्रकूट।
- आर्य पुष्पेश)2006) उत्तर प्रदेश में राजकीय स्पर्श विद्यालयों के जमा पाठ्यक्रम उपलब्धि स्तर का अध्ययन एमएड स्पेशल बी .आई. लघु शोध (अप्रकाशित)जे.आर. एच. यूनिवर्सिटी चित्रकूट।.
- बुच, एमएड.1992 सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन न्यू दिल्ली एनसी.ई.आर.टी.।.
- क्यूरी (2005)उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अधिनायक विभिन्न सामाजिक आर्थिक स्तर वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।